राशि अनुसार करें धनदायक दीपावली के उपाय

वर्तमान समय में आज प्रत्येक मानव की मनोकामना अत्यधिक नाम कमा कर अधिक से अधिक धन अर्जित करने की रहती है क्योंकि बिना धन के वर्तमान में जीवन-यापन असंभव तो नहीं परन्तु कठिन जरुर है। प्रत्येक मानव एक प्रबल इच्छा अपने हृदय में हमेशा रखता है कि वह एक प्रसिद्ध व धनवान व्यक्ति बने। अक्सर कहा जाता है- ''बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपया''। प्रसिद्धि तथा धन की इच्छा तो प्रत्येक रोगी, भोगी या योगी सभी में प्रबलता से विद्यमान रहती है। परन्तु सभी लाख यत्न करने के बावजूद भी लखपति या करोड़पति नहीं बन पाते और न ही नाम कमा पाते हैं बल्कि अपने भाग्य को और कोसते रहते हैं। ऐसे लोगों के लिये ही शायद ईश्वर ने दीपावली का त्यौंहार बनाया है जो तन (उत्तम स्वास्थ्य), मन (मनोकामनायें) व धन (पैसा) प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है। शास्त्रों में दीपावली के त्यौंहार को मनोरथ सिद्धि का दिन कहा गया है। यही वह दिन है जब अयोध्यावासियों की भगवान राम के अयोध्या लौटने की मनोकामना पूरी हुई थी। यंत्र-मंत्र, पूजन व साधना द्वारा देवताओं से मनोकामनायें पूर्ण करवाने का दिन होता है दीपावली।

सुख, धन, सौभाग्य, सिद्धि व निरोगी जीवन प्राप्त करने का दिन होता है यह दीपावली का पवित्र दिन। इसी दिन सभी देवता प्रसन्न मुद्रा में होते हैं, अतः मांग लो जो मांगना है।

दीपावली के दिन जातक को अपने 'प्रसिद्ध नाम' के पहले अक्षरानुसार अपनी राशि चुननी चाहिये क्योंकि अपने प्रसिद्ध नाम से ही जातक कर्म करता है, नौकरी, व्यापार आदि करता है, धन की प्राप्ति व भुगतान करता है, बैंक में खाता खोलता है, हस्ताक्षर करता है और आजकल तो आधार कार्ड भी बनवाता है अर्थात् जातक अपने प्रसिद्ध नाम से ही धन से जुड़ा प्रत्येक कर्म करता है। इसलिये प्रसिद्ध नामानुसार निम्न उपायों को करने से जातक अपने जीवन को धन-धान्य से भरपूर कर सकता है:-

1. मेष राशि-

- दीपावली के दिन शुक्र यंत्र व शनि यंत्र पर क्रमशः जरकन व नीली जड़वा कर तथा इन्हीं ग्रहों के मंत्रों से यंत्रों को अभिमंत्रित कर घर के मंदिर में स्थापित करने, नित्य दर्शन व पूजन करने से माँ लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।
- दीपावली के दिन श्वेतार्क की जड़ जो श्री गणेश का प्रतिरुप समझी जाती है, की सम्मान सहिता पूजा स्थल पर प्राण प्रतिष्ठा की जाये और रोजाना महालक्ष्मीजी के निम्न मंत्रों के साथ उनकी व महालक्ष्मीजी की पूजा की जाये तो माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है-

मंत्र : ''ऊँ ह्रीं अष्टलक्ष्म्यै दारिद्रय विनाशिनी सर्व सुख समृद्धिं देहि देहि ह्रीं ऊँ नमः।।''

- दीपावली के दिन से शुरु कर ''ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वर वरदये नमः'' मंत्र का गणेश यंत्र के सम्मुख पांच माला जाप यदि रोजाना किया जाये तो यश व धन प्राप्त होता है।
- दीपावली के दिन चांदी की धातु का ''श्रीं'' बनवाकर उसके चारो ओर सफेद जरकन व नीले जरकन जड़वाकर श्री लक्ष्मी के मंत्रों से पूरित कर गले में धारण करें तो निश्चित ही धनलाभ होता है।

2. वृष राशि-

- दीपावली के दिन बुध यंत्र व गुरु यंत्र बनवाकर क्रमशः ओनेक्स व सुनहला लगवाकर तथा इन्हीं ग्रहों के मंत्रों से यंत्रों को अभिमंत्रित कर घर के मंदिर में स्थापित करने, नित्य दर्शन व पूजन करने से माँ लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।
- दीपावली के दिन श्रीयंत्र की प्राण-प्रतिष्ठा कर प्रतिदिन पूजा करनी चाहिये। इससे सभी प्रकार के दुःख, रोग व दरिद्रता का नाश होता है और भौतिक सुख, शांति व आनन्द प्राप्त होते हैं। इस यंत्र की पूजा के लिये मंत्र इस प्रकार से हैं-

''श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद
श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मयै नमः।''

- ''श्रीयंत्र'' या ''गजलक्ष्मी यंत्र'' के सम्मुख नित्य दीपावली से शुरु कर ''श्री सूक्त'' का पाठ करने से धन व यश की प्राप्ति होती है।
- दीपावली के दिन से शुरु कर हर शुक्रवार को श्री विष्णु लक्ष्मी का पूजन करने से धन व नाम मिलता है।

3. मिथुन राशि-

- दीपावली के दिन ''श्री महालक्ष्मी यंत्र'' जो सिद्ध किया हो, को घर में स्थापित कर नित्य दर्शन व पूजन करने से माता लक्ष्मी सदा साथ रहती है।
- दीपावली के दिन तुलसी की पूजा व रात्रि में कच्चे सूत को शुद्ध

केसर से रंग कर निम्न मंत्र का ५ माला जाप करने के पश्चात् कार्य स्थल में रखने से व रोजाना इसके दर्शन व पूजा से उन्नति मिलती है-

"ऊँ श्रीं श्रीं ह्रीं ह्रीं ऐश्वर्य महालक्ष्म्यै पूर्ण सिद्धिं देहि देहि नमः"।।

- दीपावली के दिन चन्द्र यंत्र व मंगल यंत्र बनवाकर क्रमशः मोती व मूंगा लगवा कर तथा इन्हीं ग्रहों के मंत्रों से यंत्रों को अभिमंत्रित कर घर के मंदिर में स्थापित करने, नित्य दर्शन व पूजन करने से धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा होती है।
- मंगल यंत्र के सम्मुख दीपावली से शुरु कर नित्य "ऋणहर्ता मंगल स्तोत्र" का पाठ करें तो शीघ्र ही ऋण उतरने लगता है और धन की बरकत होने लगती है।

4. कर्क राशि-

- दीपावली के दिन सूर्य यंत्र व शुक्र यंत्र बनवा कर क्रमशः माणिक व जरकन लगवा कर तथा इन्हीं ग्रहों के मंत्रों से यंत्रों को अभिमंत्रित कर घर के मंदिर में स्थापित करने, नित्य दर्शन व पूजन करने से देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।
- यदि दीपावली के दिन से शुरु कर ७२ दिनों तक निम्न मंत्र का धूप दीपादि का उपयोग कर सवा लाख बार जाप किया जाये तो निश्चय ही प्रचुर धन की प्राप्ति होती है-

"ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं त्रिभुवन पालिन्य महालक्ष्म्यै आस्माकं दारिद्रय नाशय नाशय प्रचुरं धनं देहि देहि क्लीं ह्रीं श्रीं ऊँ।"

- चाँदी से निर्मित दो गायों को दीपावली के दिन अभिमंत्रित कराकर एक गाय किसी विद्वान् ब्राह्मण को दान देने व दूसरी गाय को "कामधेनु दैव्य" की भांति घर के पूजन स्थल पर रखकर नित्य दर्शन व पूजन करने से धनागमन बना रहता है।
- दीपावली के दिन सिद्ध व प्राण-प्रतिष्ठित "श्री यंत्र" को घर में स्थापित कर नित्य 'श्रीसूक्त' का पाठ करने से धन योग बढ़ता रहता है।

5. सिंह राशि-

- दीपावली के दिन बुध यंत्र बनवा कर, उस पर ओनेक्स लगवा कर तथा बुध के मंत्रों से अभिमंत्रित कर घर के मंदिर में यंत्र को स्थापित करने, नित्य दर्शन व पूजन करने से लक्ष्मी माता की असीम कृपा प्राप्त होती है।
- दीपावली के दिन सूर्योदय से दो घंटे के भीतर एक नारियल का गोला लेकर उसका मुंह काट लें। तब घर के सभी सदस्य उसमें चीनी, बूरा, मेवे, देसी घी मिलाकर भर दें। जब गोला भर जाये तो उसे पीपल या बरगद के पेड़ के नीचे इस प्रकार गाड़ दें कि गोले का मुंह जमीन से ऊपर कुछ दिखता रहे। गोले के चारों तरफ थोड़ा चीनी बूरा बिखेर दें ताकि चींटियां गोले में जल्दी प्रवेश कर सकें। ऐसा करने से लक्ष्मी उस घर से कभी रुठ कर नहीं जाती हैं।
- देवी दुर्गा के सम्मुख देवी के 108 नामों का नित्य स्मरण दीपावली से शुरु करें तो अतुल्य धन लाभ होता है।
- दीपावली से आरम्भ कर नित्य प्रातः कुछ भी खाने से पहले तुलसी के पत्र का सेवन करें, शुभ होगा।

6. कन्या राशि-

- दीपावली की रात में चांदी की ढक्कन वाली डिबिया में नागकेसर व शहद भर कर अपनी तिजोरी या गल्ले में रख दें। अगली दीपावली तक ऐसे ही रहने दें। फिर दीपक जलाकर रोजाना श्रीसूक्त का पाठ या विष्णु सहस्त्रनाम का जाप करें। तिजोरी सारे साल धन से भरी रहेगी।
- दीपावली के दिन चन्द्र यंत्र व शुक्र यंत्र बनवा कर क्रमशः मोती व जरकन लगवा कर तथा इन्हीं ग्रहों के मंत्रों से यंत्रों को अभिमंत्रित कर घर के मंदिर में स्थापित करने, नित्य दर्शन व पूजन करने से धन आता है और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।
- कूर्म पृष्ठ पर बने "श्री यंत्र" या "महालक्ष्मी यंत्र" के सम्मुख दीपावली के दिन से आरम्भ कर नित्य "श्री सूक्त" का पाठ करने से धनागमन बना रहता है।
- दीपावली के दिन "सफेद गुंजा" को लक्ष्मी के मंत्रों से अभिमंत्रित कर शहद में डुबोकर पूजन स्थल या तिजोरी में रखने से धन की रक्षा होती है।

7. तुला राशि-

- दीपावली के दिन महालक्ष्मीजी की पूजा के समय मां को एक इत्र की शीशी चढ़ायें। उसमें से एक फुलेल मां को अर्पित करें। फिर पूजा के पश्चात् उसी शीशी में से थोड़ा इत्र स्वयं को लगा लें। इसके बाद रोजाना इसी इत्र में से थोड़ा सा लगाकार कार्य स्थल पर जायें तो रोजगार में भी वृद्धि होने लगती है।
- दीपावली के दिन सूर्य यंत्र व मंगल यंत्र बनवाकर क्रमशः माणिक व मूंगा लगवाकर तथा इन्हीं ग्रहों के मंत्रों से यंत्रों को अभिमंत्रित कर घर के मंदिर में स्थापित करने, नित्य दर्शन व पूजन करने से माँ लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है व यश मिलता है।
- दीपावली के दिन से आरम्भ कर प्रत्येक रविवार को गायत्री मंत्र व मंगलवार को मंगल मंत्रों का रुद्राक्ष की माला पर जाप करने से धनागमन बना रहता है।
- दीपावली को "श्री महालक्ष्मी यंत्र" को स्थापित कर नित्य "इन्द्रकृत महालक्ष्मी अष्टक स्तोत्र" का पाठ करने से धन वृद्धि होती है।

8. वृश्चिक राशि-

- गणेशजी ऋद्धि-सिद्धि के दाता हैं और लक्ष्मीजी धन की देवी हैं। दोनों का संयुक्त यंत्र महायंत्र कहलाता है। दीपावली के दिन इस यंत्र की पूजादि करने के पश्चात् गल्ले या तिजोरी में रखने से धन का भंडार भरा रहता है तथा परिवार में व्यक्ति प्रसन्न और सुखी रहता है।
- दीपावली के दिन गुरु यंत्र व बुध यंत्र बनवाकर क्रमशः सुनहला व ओनेक्स लगवाकर तथा इन्हीं ग्रहों के मंत्रों से यंत्रों को अभिमंत्रित कर घर के मंदिर में स्थापित करने, नित्य दर्शन व पूजन करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।
- दीपावली से शुरु कर 'ऊँ नमो नारायणाय' मंत्र का श्री विष्णुजी के सम्मुख जाप रोजाना करें, धनलाभ होता है।
- देवी दुर्गा के सम्मुख 'देहि सौभाग्यमारोग्यं देहि मे परम सुखम। रुपं देहि द्विशो जहि।।' मंत्र का जप दीपावली से शुरु कर रोजाना करें, धन दूर नहीं जाता।

9. धनु राशि-

- दीपावली के दिन शनि यंत्र व शुक्र यंत्र बनवाकर क्रमशः नीली व जरकन लगवाकर तथा इन्हीं ग्रहों के मंत्रों से यंत्रों को अभिमंत्रित कर घर के मंदिर में स्थापित करने, नित्य दर्शन व पूजन करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।
- दीपावली के दिन ११ हल्दी की गांठों को पीले कपड़े में रख कर निम्न मंत्र का ११ माला जाप कर तिजोरी में रख दिया जाये और रोजाना वहां दीया जलाया जाये तो व्यापार की उन्नति होने लगती है-

'ऊँ वक्रतुण्डाय हुं'।

- दीपावली को लाजवर्त नग को चांदी में जड़वाकर लक्ष्मी के मंत्रों से अभिमंत्रित कर मध्यमा अंगुली में धारण करने से जातक धनवान बनता है।
- 'ऊँ ह्री क्लीं महालक्ष्मयै नमः' मंत्र का श्री लक्ष्मी की तस्वीर या यंत्र के सम्मुख दीपावली से शुरु कर नित्य 5 माला जाप करने से धन आगमन होता है।

10. मकर राशि-

- दीपावली के दिन शनि व मंगल यंत्र बनवाकर क्रमशः नीली व मूंगा लगवाकर तथा इन्हीं ग्रहों के मंत्रों से यंत्रों को अभिमंत्रित कर घर के मंदिर

में स्थापित करने, नित्य दर्शन व पूजन करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

- दीपावली की शाम को एक सुपारी व एक तांबे का सिक्का लेकर किसी पीपल के पेड़ के नीचे रख दें। रविवार को उसी पीपल के पेड़ का पत्ता लाकर कार्यस्थल पर गद्दी के नीचे रख देने से ग्राहक बने रहते हैं और धन आने लगता है।
- दीपावली के दिन शनि यंत्र को घर के पश्चिम दिशा में नीले कपड़े के आसन पर स्थापित कर नित्य शनि के मंत्रों से जप करें व तेल का दीपक भी जलायें तो जातक धनी बनता है।
- दीपावली से शुरु कर, हर मंगलवार को 'ऋणहर्ता मंगल स्तोत्र' का पाठ करने से धनलाभ होता है।

11. कुंभ राशि-

- दीपावली के दिन गुरु यंत्र बनवाकर, सुनहला लगवाकर तथा गुरु के मंत्रों से यंत्र को अभिमंत्रित कर घर के मंदिर में स्थापित करने, नित्य दर्शन व पूजन करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।
- दीपावली की अमावस्या की रात से पहले आने वाले शनिवार से घर की पूरी साफ-सफाई शुरु कर देनी चाहिये। रद्दी, टूटी चीजें आदि निकालकर बाकी चीजें करीने से रख देनी चाहिये। शाम के समय घर के सभी बल्ब कम से कम २० मिनट के लिये रोजाना रोशन कर देने चाहिये। निम्न मंत्र से रोजाना लक्ष्मीजी की उपासना करने से सुख व समृद्धि मिलती है।

'ऊँ ऐं ह्रीं श्रीं सं सिद्धिदां साधय साधय स्वाहा'

- दीपावली के दिन 'गुरु यंत्र' को सोने में बनवा कर व अभिमंत्रित कर गले में धारण करने से धन की देवी मेहरबान रहती है।
- 'श्री लक्ष्मी नारायण यंत्र' को दीपावली के दिन घर के पूजन स्थल पर स्थापित कर पूजन दर्शन करने से धनागमन होता रहता है।

12. मीन राशि-

- दीपावली के दिन शनि व मंगल यंत्र बनवाकर क्रमशः नीलम व मूंगा लगवाकर तथा इन्हीं ग्रहों के मंत्रों से यंत्रों को अभिमंत्रित कर घर के मंदिर में स्थापित करने, नित्य दर्शन व पूजन करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।
- श्री यंत्र, कुबेर यंत्र या दक्षिणावर्ती शंख घर के पूजनस्थल पर रखकर नित्य दर्शन व पूजा करें तो चमत्कारी परिणाम स्वतः ही देखे जा सकते हैं।
- मूंगे के गणपति दीपावली के दिन स्थापित कर 'ऊँ एकदन्ताय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि तन्नो दन्ती प्रचोदयात्' मंत्र का जाप करने से निश्चय ही धनलाभ होता है।

दीपावली से शुरु कर 'दारिद्रयदहनशिव स्तोत्र' (श्री वशिष्ठ मुनिकृत) नित्य पाठ करने से धन योग प्रबल बनता है।

♦♦♦

कल्याणी रक्षा कवच

प्राचीन काल में मारण, विद्वेषण, षटकर्म प्रयोग आदि तांत्रिककर्म एवं मंत्र गुप्त रखे जाते थे, गुरु योग्य शिष्यों को ही इनका ज्ञान देते थे, लेकिन आज नौसिखिये व्यक्ति इन का दुरुपयोग करने लगे हैं, ये कवच जहाँ एक ओर आप पर किये गये तांत्रिक प्रयोगों से रक्षा करेगा वही भविष्य में होने वाले किसी भी प्रकार की तंत्र बाधा से आपकी रक्षा करेगा! अपनी और अपनों की सुरक्षा आपके हाथ.....

न्यौछावर राशि 3000/- रु.

कर्ज मुक्ति पैकेट

- क्या आप ऋण के बोझ से अभिशप्त हैं?
- क्या संतान की उच्च शिक्षा के लिये लिया गया ऋण चुकाने में असमर्थ हैं?
- क्या बिटिया के घर संसार को संवारने के लिये लिया ऋण आपके जीवन को बेरंग कर रहा है?
- क्या विश्व मंदी के इस दौर की त्रासदी के आप भी शिकार हैं?
- क्या फैंसी लोन आपके गले की फांस बन गया है?

यदि आपका जवाब हाँ है तो आज ही अभी जानें इसके निवारण के प्रयासों(उपाय) के बारे में

बेकारी, बेरोजगारी, साधनहीनता आदि कारण बन जाते हैं ब्यक्ति के अर्थोपार्जन में असमर्थता के, तब विवश होकर ब्यक्ति ऋण के जाल में पांव डाल देता है। बस फिर वो इस भंवरजाल में फंसता चला जाता है। समय पर ऋण ना चुका पाने की शर्मिंदगी इतनी गहरी होती है कि व्यक्ति घर, परिवार, दोस्तों से आंख मिलाने से भी कतराता है। शारीरिक रोग तो फिर भी मरने के बाद पीछा छोड़ देते हैं, लेकिन ऋण का रोग तो पीढ़ी दर पीढ़ी चलता रहता है। आप नहीं चुका पाये तो आपकी संतान को चुकाना पड़ता है।

पैकेट न्यौछावर मात्र 2500 रू.

यदि आप ऋण के बोझ से छुटकारा पाना चाहते है, तो यह है आपके लिये एक सुनहरा अवसर। आज ही 'ऋणहर्ता गणपति पैकेट के लिये ऑर्डर करें और इस साधना को सम्पन्न करें। इस साधना पैकेट में आप निम्न वस्तुएं प्राप्त करेंगें और साथ ही आपको साधना विधि भी भेजी जायेगी।

1) ऋणहर्ता गणपति यंत्र
2) ऋणमोचन लक्ष्मी–गणेश पिरामिड
3) ऋणहर्ता विजय गणपति प्रतिमा
4) ऋणमोचन सहायक मूंगे की माला
5) विजय गणपति प्रतिमा लॉकेट (मूंगे में)

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें–

आप सीधे ही 'त्रिनेत्र सिद्धि केन्द्र' के बैंक एकाउन्ट में भी पैसा जमा करवा सकते हैं। आपकी सुविधा के लिये बैंक एकाउन्ट नम्बर इस प्रकार हैं
HDFC Bank A/c No. 014-225-6000-5331
(All Amount Payble at Jodhpur Account)

त्रिनेत्र सिद्धि केन्द्र
'त्रिनेत्र भवन' प्लॉट नम्बर–1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज के मैन गेट के पास, जोधपुर (राज.)
फोनः 0291–2621625, 2615625, 2618625, 2440111, 2440999 टेलीफैक्सः 0291–2618625
E-mail: tantravtj@yahoo.com Visit us: fameandfortune.org

शिव-गौरी कवच

विवाह बाधा, मंगल दोष व दाम्पत्य सुख का सम्पूर्ण उपाय

अपने बच्चों का समय पर विवाह करना, आज एक बड़ी समस्या का रूप ले चुका है। पुत्र या पुत्री के विवाह में कई प्रकार की बाधाऐं या समस्याऐं उत्पन्न हो जाती है। कभी उचित वर या कन्या नहीं मिलजी तो कभी शिक्षा, कभी सुन्दरता, कभी कुण्डली मिलान, कभी खानदान इत्यादि में कोई ना कोई कमी की वजह से विवाह में विलम्ब हो जाता है। बच्चों की बढ़ती आयु देखकर माता-पिता की चिन्ताएं भी बढ़ती जाती हैं।

मनुष्य की प्रकृति रही है कि वह अकेला नहीं रह सकता। किसी-न-किसी का साथ चाहता है। युवा अवस्था में आते ही उसे एक ऐसे साथी की आवश्यकता पड़ती है जो जीवन भर उसका साथ निभा सके। विवाह का एक समय होता है, उस चढ़ती उम्र में सम्पन्न हुआ विवाह ही वैवाहिक जीवन को रस-गंधमय बनाकर प्रफुल्लित करता है।

समय पर विवाह न होने से लड़के-लडकियाँ विभिन्न मानसिक तथा शारीरिक रोगों से आक्रांत होते देखे गये है, साथ ही उनके अभिभावक भी मानसिक अशांति से त्रस्त होते हैं। वैवाहिक विलम्ब की समस्या को हल करने के लिए प्रायः मंत्र-साधना का परामर्श दिया जाता है, किन्तु मंत्र-साधना की शास्त्रानुमोदित एवं अनुभवसिद्ध प्रविधि क्या है?इसका सम्यक् ज्ञान न तो मन्त्र-प्रदाता को होता है और न ही मन्त्र-गृहीता को।

मंगली-दोष अथवा कुज-दोष एक ऐसा विषय है जिसके सम्बन्ध में या तो मंगलदोष की तीक्ष्णता की व्याख्या, आवश्यकता से अधिक की जाती है अथवा उसकी वक्रता को आवश्यक से अत्यन्त कम करके प्रस्तुत किया जाता है। जबकि हानि दोनों स्थितियों में होती हैं। मंगल दोष के परिशमन हेतु उद्धृत मंत्र एवं प्रयोग, प्रभावित जातकों को दाम्पत्य की सुखद सम्प्राप्ति कराने के सक्षम हैं वैवाहिक-विलम्ब की परिशान्ति की दिशा में मंत्र के साथ व्रत की भी महत्ता उल्लेखनीय है। व्रत भारतीय संस्कृति का ऊर्जस्वल आयाम है।

विवाह बाधा एवं दाम्पत्य सुख के लिए मंगलगौरी व्रत किया जाता है। यहीं बहुपरीक्षित तथा शीघ्र फलप्रद "पार्वती मंगल स्तोत्र" का जाप किया जाता है। दाम्पत्य जीवन में आने वाले विघटन एवं अन्तर्विरोध भी एक दारुण समस्या का केन्द्र हैं। विवाहोपरान्त दाम्पत्य जीवन में यदि किसी प्रकार की वंचना अथवा रिक्ति है तो उनके परिशमन हेतु भी मंत्रोपासना व व्रत इत्यादि का पालन किया जाता हैं।

यदि आप भी अथवा आपके परिवार में कोई भी अधिक उम्र होने के बाद विवाह न होने से परेशान है तो यह कवच उसकी समस्या के निदान में सहायक हो सकता है। ऐसे ही युवाओं के लिये विशेष रूप से यह 'शिव-गौरी कवच' निर्मित किया जायेगा जिसे धारण करने से शीघ्र ही आपके विवाह में आने वाली समस्त बाधाएँ स्वतः ही समाप्त हो जायेंगी और आपका विवाह हो जायेगा। दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत नहीं हो रहा है तो आपके लिए है यह सुनहरा अवसर। जी हां, आप उपरोक्त समस्याओं के निवारण के लिए विशेष रूप से निर्मित 'शिव-गौरी कवच' को धारण कर सकते हैं।

कवच न्यौच्छावर राशि
रू. 2500/- मात्र

Vishwa Tantra Jyotish
Whats App. No.- 7073812210

आप सीधे ही 'विश्व तंत्र-ज्योतिष' के बैंक एकाउन्ट में भी पैसा जमा करवा सकते हैं।
STATE BANK OF INDIA A/C NO. 100-563-410-66
(All Amount Payble at Jodhpur Account)

सम्पर्क करें

विश्व तंत्र-ज्योतिष

'त्रिनेत्र भवन' प्लोट नम्बर-1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज-मैन गेट के पास, जोधपुर-342001 (राज.) फोनः 0291-2621625,2615625
2618625, 2440111, 2440999 टेलीफैक्सः 0291–2618625